This question paper contains 6 printed pages.]

6382 *Your Roll No. .....*

LL.B. / VI Term A

Paper LB – 6046 : LAW OF INSOLVENCY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी : *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

*Attempt **five** questions, including Question No. 1 which is compulsory. All questions carry equal marks.*

*अनिवार्य प्रश्न संख्या 1 सहित कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

[P.T.O.

1. Answer briefly any **four** of the following:

   (a) Dismissal of an insolvency petition filed by a creditor under section 25.

   (b) Period of limitation for filing of an insolvency petition by a creditor under section 9

   (c) Conditional order of discharge.

   (d) Whether the unpaid gratuity of the debtor be attached in insolvency proceedings.

   (e) Powers of official Receiver.

   निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** के उत्तर संक्षेप में दीजिए:-

   (a) धारा 25 के अन्तर्गत लेनदार द्वारा फाइल की गई दिवाला की याचिका की खारिजी।

   (b) धारा 9 के अन्तर्गत लेनदार द्वारा दिवाला याचिका के फाइल किए जाने हेतु परिसीमा की अवधि।

   (c) उन्मोचन का सशर्त आदेश।

   (d) क्या देनदार का अदत्त उपदान दिवाला की कार्यवाहियों में कुर्क किया जा सकता है ?

   (e) शासकीय रिसीवर की शक्तियाँ।

2. Discuss the scope of powers of insolvency court under section 4 of the Provincial & Insolvency Act, 1920 in the light of the decision in Hans Raj V. Rattan Chand AIR 1967 SC 1780.

हंसराज बनाम रत्तन चन्द ए आई आर 1967 एस सी 1780 के विनिश्चय को ध्यान में रखते हुए प्रान्तीय दिवालियापन अधिनियम, 1920 की धारा 4 के तहत दिवाला न्यायालय की शक्तियों की परिव्याप्ति का विवेचन कीजिए।

3. (i) "An act of insolvency is committed where a debtor makes a transfer of his property or any part there of with an intent to defeat or delay his creditors." Comment on this statement and discuss the test laid down by the court determining the intention in Pirthi v. Budh Singh AIR 1982 All 179.

(ii) Do you agree with the statement that an act of an agent may be the act of the Principal? In the context of law of insolvency, can a Principal be declared an insolvent for the act of an agent?

(i) " दिवालियापन का कृत्य तब किया जाता है जहां कोई देनदार अपने लेनदारों को विफल करने या उन्हें देरी कराने के इरादे से अपनी सम्पत्ति या उसके किसी भाग को अंतरित करता है।"

उक्त कथन पर टिप्पणी लिखिए और पिरथी बनाम बुध सिंह ए आई आर 1982 ए एल एल 179 में इरादे को निश्चित करते हुए न्यायालय द्वारा अधिकथित परीक्षण का विवेचन कीजिए।

(ii) क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि एजेन्ट का कृत्य मालिक का कृत्य हो सकता हैं ? दिवाला विधि के संन्दर्भ में क्या किसी एजेन्ट के कृत्य के लिए मालिक को दिवालिया घोषित किया जा सकता है?

4. Discuss the relationship between section 28 (2), 28 (4) and 28 (5) as laid down by the privy council in the case of Kala Chand Banerjee v. Jagannath Marwari AIR 1927 PC 108.

प्रिवी काउंसिल द्वारा कलाचन्द बैनर्जी बनाम जगन्नाथ मारवाड़ी ए आई आर 1927 पी सी 108 केस में अधिकथित धारा 28 (2), 28 (4) और 28 (5) के बीच सम्बधों का विवेचन कीजिए।

5. (i) Discuss whether the power of father who has been declared an insolvent to alienate the joint Hindu family property including the interests of the sons vest in official receiver?

(ii) Can an order of adjudication be made against a partnership firm? Substantiate your answer with the help of the case Firm Mukand Lal Veerkumar v. Purushotham Singh.

(i) विवेचन कीजिए कि क्या दिवालिया घोषित हुए पिता की संयुक्त हिन्दू कुटुम्ब की सम्पत्ति को, जिसमें पुत्रों के हित शामिल है, अन्यसंक्रामित करने की शक्ति शासकीय रिसीवर में निहित होती है?

(ii) क्या किसी भागीदारी फर्म के विरुद्ध न्यायनिर्णयन का ओदश दिया जा सकता है? फर्म मुकुन्द लाल वीरकुमार बनाम पुरुषोत्तम सिंह केस की सहायता से अपने उत्तर की सम्पुष्टि कीजिए।

6. What is an order of discharge? What are the various options available to the court for the grant of order of discharge? Discuss those conditions wherein a person shall not be granted absolute discharge.

उन्मोचन आदेश क्या होता है? उन्मोचन आदेश की मंजूरी हेतु न्यायालय को क्या विभिन्न विकल्प उपलब्ध हैं? उन शर्तों का विवेचन कीजिए जिनमें किसी व्यक्ति को आत्यंतिक उन्मोचन मंजूर नहीं किया जाएगा।

7. (i) What are the consequences that follow from an annulment of order of adjudication against an insolvent? Enlist those various grounds where the order of adjudication can be annulled.

(ii) Can a creditor proceed against a debtor whose order of adjudication has been annulled, for his arrest in execution of a decree. Justify your answer with the help of decided cases.

(i) किसी दिवालिया के विरुद्ध न्यायनिर्णयन के आदेश के बातिलीकरण के बाद क्या परिणाम निकलते हैं? उन विभिन्न आधारों का उल्लेख कीजिए जहाँ न्यायनिर्णयन के आदेश का बातिली करण किया जा सकता है।

(ii) क्या कोई लेनदार उस देनदार के विरुद्ध कार्यवाही चला सकता है जिसके न्यायनिर्णयन के आदेश का बातिलीकरण एक डिक्री के निष्पादन में उसकी गिरफ्तारी के कारण हो गया है। विनिश्चित केसों की सहायता से अपने उत्तर को न्यायोचित ठहराइए।

8. Write short note on any **two**:

(a) Doctrine of relation back

(b) Doctrine of reputed ownership

(c) An act of insolvency once committed cannot be explained by subsequent act.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:-

(a) Relation back का सिद्धान्त

(b) ख्यात स्वामित्व का सिद्धान्त

(c) एक बार किए गए दिवाला कृत्य की बाद में किए गए कृत्य से सफाई नहीं दी जा सकती है।